आगामी मानसून सीजन में जरूरी इंतजाम एवं तैयारियां सुनिश्चित रखने के निर्देश

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर जिला कलेक्टर ने बाढ़ नियंत्रण के लिए नियुक्त किये इन्सीडेन्ट कमाण्डर

जयपुर, (का.सं.)। आगामी मानसून सत्र के दौरान आपदा प्रबंधन को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा संवेदनशील हैं। आपदा से निपटपने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को मुस्तैदी बरतने एवं आवश्यक इंतजामों के साथ साथ जरूरी तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी कड़ी में जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने जिले में बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए एवं जल भराव के क्षेत्रों की मॉनिटरिंग करने के लिए इन्सीडेन्ट कमाण्डर की नियुक्ति की है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार जयपुर के शहरी क्षेत्र में 9 इन्सीडेन्ट कमाण्डर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी उपखण्ड अधिकारियों को इन्सीडेन्ट कमाण्डर की जिम्मेदारी सौंपी है। इन्सीडेन्ट कमाण्डर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करेंगे।

जयपुर महानगर में इन्सीडेन्ट कमाण्डर नगर निगम जयपुर हैरिटेज/ग्रेटर एवं जयपुर विकास प्राधिकरण से समन्वय कर संसाधनों का आंकलन करना एवं बाढ़ की स्थिति में राहत गतिविधियों का

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

संचालन करेंगे। जल भराव की स्थिति में जल निकासी का प्रबंध करना, प्रभावित इलाकों में आवश्यक दवाईयों का छिड़काव करना, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में विद्यालय भवन, सामुदायिक भवन, आश्रय स्थल एवं पुनर्वास हेतु भवनों को चिन्हित करना एवं प्रभावित परिवारों को पुनर्वासित करवाना इन्सीडेन्ट कमाण्डर्स

- **अतिरिक्त जिला कलेक्टर्स को बनाया गया प्रभारी अधिकारी**

की जिम्मेदारी होगी। बाढ़ की स्थिति में जिला प्रशासन, पुलिस विभाग एवं सेना के समन्वय कर आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करेंगे।

मानसून के मद्देनजर जयपुर शहर उत्तर, दक्षिण क्षेत्र के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर जयपुर उत्तर, पूर्व एवं दक्षिण को एवं समस्त उपखंड अधिकारियों को उनके उपखण्ड क्षेत्र में आपदा प्रबंधन हेतु समग्र प्रभारी नियुक्त किया गया है।

नियुक्त अधिकारी वर्षा काल के दौरान अत्यन्त आवश्यक होने पर ही रोड कट की अनुमति अपने-अपने क्षेत्र में जारी करेंगे। साथ ही रोड कट की अनुमति की प्रति संबंधित थाने को भी भिजवाएंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रोडकट के बाद पुन: भराव करवाया गया है या नहीं। साथ ही मानसून के दौरान सभी प्रभारी अधिकारी संबंधित विभागों के अधिकारियों से समन्वय रखते हुए मौके पर आवश्यक कार्यवाही त्वरित एवं समयबद्ध रूप से संपादित किया जाना सुनिश्चित करेंगे।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का किया आभार व्यक्त

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकता सदैव कृषक कल्याण की रही है। मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद पहला कार्य 'पीएम किसान सम्मान निधि' के अंतर्गत देशभर के किसानों को 17वीं किस्त जारी करने का किया है। राजस्थान में भी लाखों किसानों को इसका लाभ मिलेगा।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कई ऐतिहासिक निर्णय लेकर देशभर के अन्नदाताओं को आर्थिक संबल दिया है। पीएम किसान सम्मान निधि के अंतर्गत किसानों को 6 हजार रुपए की वार्षिक आर्थिक सहायता इन महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक है। उन्होंने कहा कि मोदी ने आज प्रधानमंत्री का पद संभालते ही इस योजना की 17वीं किस्त जारी कर 20 हजार करोड़ रुपए वितरित किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय किसानों के जीवन में आशा, समृद्धि और विकास का नव-प्रभात लेकर आएगा। इस निर्णय से देशभर में लगभग 9.3 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। अब तक इस योजना के तहत 16 किस्तों में 12 करोड़ 33 लाख से ज्यादा लाभार्थियों को 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक सीधे प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) से वितरित किये गए हैं।

बढ़ते तापमान को रोकने के लिए अधिक पेड़ लगायें : दिलावर

पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने गोविंददेवजी मंदिर प्रांगण में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ दीप प्रज्वलित कर पर्यावरण एवं गौ रक्षा संरक्षणार्थ संतों एवं श्री मद्भागवताचार्य विद्वानों के सम्मेलन का शुभारंभ किया।

जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने गोविंददेवजी मंदिर प्रांगण में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ दीप प्रज्वलित कर पर्यावरण एवं गौ रक्षा संरक्षणार्थ संतों एवं श्री मद्भागवताचार्य विद्वानों के सम्मेलन का शुभारंभ किया।

पंचायती राज मंत्री ने सर्वप्रथमउपस्थित संतों एवं विद्वानों को नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई दी।

उन्होंने कहा कि धरती माता का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। इस वर्ष सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह हम सबके लिए खतरे की घंटी है।अभी भी नहीं चेते तो संकट में पड़ जायेंगे।भारत माता बहुत दुखी है इस दु:ख को हम सभी को समझना चाहिए।इस धरती पर पेड़ ही हमें बचा सकते हैं।पेड़ों से प्राणवायु, शीतलता व वर्षा मिलती है।

उन्होंने कहा कि हमें माँ अमृता देवी के बलिदान को आत्मसात करना चाहिए।इनके नेतृत्व में 363लोगों ने बलिदान दिया लेकिन पेड़ काटने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि संत एवं गुरुजन भी अपने प्रवचनों में अनुयायियों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करें।यह जनता का काम है।अब यह जन आंदोलन बन गया है।विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों को भी कहा गया है कि जितने आपके परिवार में सदस्य हैं उतने पेड़ अवश्य लगाएं।

उन्होंने 8 अगस्त को मनाये जाने वाले अमृत पर्यावरण महोत्सव के तहत पीपल, नीम, बरगद ,इमली,आंवला, बिल्व एवं आम के पेड़ अधिक से अधिक पेड़ लगाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि हमारे धर्मग्रन्थों में पेड़ों की पूजा का प्रावधान है। पेड़ों को भगवान माना जाता है। गौ माता के संरक्षण के लिए कहा कि गौ माता विश्व में माँ के रुप में पूजी जाती है।यह ऑक्सीजन देती है साथ ही इसका मल मूत्र भी बीमारियों के उपचार में उपयोगी है।इसके गोबर से जैविक खाद तैयार कर उन्नत किस्म की फसल प्राप्त करते हैं। विधायक बालमुकुन्दाचार्य ने कहा कि देवी देवताओं के स्वरूप के रूप में पूजे जाने वाले, औषधीय एवं छायादार वृक्ष लगाने के लिए जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने तीर्थ यात्रियों की मृत्यु पर जताया शोक

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जम्मू-कश्मीर के रियासी में जयपुर के चौमूं निवासी चार तीर्थ यात्रियों सहित कायराना हमले में मृत लोगों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार दु:ख की इस घड़ी में मृतकों एवं घायलों के परिवार के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को केन्द्रीय गृह मंत्रालय एवं जम्मू-कश्मीर प्रशासन से समन्वय स्थापित कर मामले में निरंतर निगरानी के निर्देश दिए हैं। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को दिवंगतों के पार्थिव शरीर को परिजनों तक पहुंचाने सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं।

मारपीट और छात्र आंदोलन से जुड़े मामलों में विधायक भाकर बरी

जयपुर, (का.सं.)। अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट-2, महानगर प्रथम ने छात्र जीवन के दौरान मारपीट और आंदोलन से जुडे दो अलग-अलग मामलों से तत्कालीन छात्र नेता और वर्तमान विधायक मुकेश भाकर सहित अन्य आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया है।

मामले के अनुसार उद्यम सिंह ने 9 सितंबर, 2007 को गांधीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया कि वह और उसके साथी कृष्णा छात्रावास की मैस बंद होने के कारण विवि परिसर से बाहर जाकर खाना खाकर लौट रहे थे। रास्ते में मुकेश भाकर सहित करीब एक दर्जन छात्र मिले और उनसे मारपीट करना शुरू कर दिया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अदालत में आरोप पत्र पेश किया। वहीं दूसरे प्रकरण में राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य कुलानुशासक ने 23 जुलाई, 2010 को गांधीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया था कि दोपहर करीब 12 बजे मुकेश भाकर सहित अन्य छात्र नेताओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर विवि का मुख्य द्वार बंद कर दिया और टायर जलाकर रास्ता अवरूद्ध कर दिया। इस दौरान कुलसचिव कार्यालय और कुलपति सचिवालय के गेट बंद कर लोगों को अंदर जाने से रोक दिया। दोनों ही मामलों में अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर पाया कि घटना में आरोपी बनाए गए तत्कालीन छात्रों का हाथ था। इसके अलावा कई गवाह पक्षद्रोही भी हो गए। ऐसे में अदालत ने दोनों मामलों से एमएलए भाकर सहित अन्य सभी को बरी कर दिया।

डॉ. पूनिया ने मंत्रियों को बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में नई दिल्ली में भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया 9 जून को शामिल हुये और 10 जून को दूसरे दिन दिल्ली प्रवास पर डॉ. पूनिया ने भारत की मोदी सरकार के नवनियुक्त कैबिनेट मंत्री, स्वतंत्र प्रभार मंत्री एवं राज्यमंत्रियों से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें नवीन दायित्व की शुभकामनाएं दी। डॉ. सतीश पूनिया ने केंद्र की मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री राजनाथ सिंह, शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर से आत्मीय मुलाकात कर नई जिम्मेदारी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात कर सतीश पूनिया ने उन्हें मध्यप्रदेश लोकसभा चुनाव में भाजपा की शानदार विजय की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। वहीं डॉ. सतीश पूनिया ने मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र यादव, कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुनराम मेघवाल, राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी से भी आत्मीय मुलाकात कर सभी को नवीन दायित्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

भारतीय सेना के टी.ई.एस.-52 भर्ती के लिए सिर्फ पुरुषों से आवेदन को चुनौती

जयपुर, (का.सं.)। भारतीय सेना की ओर से तकनीकी शाखा टीईएस-52 में स्थाई कमीशन के लिए सिर्फ पुरुषों के आवेदन मांगने को राजस्थान हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने सोमवार को मामले की सुनवाई से इनकार करते हुए इसे एकलपीठ में सुनवाई के लिए भेज दिया है। जस्टिस शुभा मेहता और जस्टिस प्रवीर भटनागर की अवकाशकालीन विशेष खंडपीठ ने यह आदेश अक्षिता शर्मा की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता ओमप्रकाश श्योराण ने बताया कि भारतीय सेना ने गत दिनों तकनीकी शाखा टीईएस-52 में स्थाई कमीशन के लिए सीनियर सैकण्डरी लेवल की भर्ती निकाली। जिसमें सिर्फ अविवाहित पुरुषों से ही आवेदन मांगे गए। सफल अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण अगले जनवरी माह से शुरू हो रहा है। याचिका में कहा गया कि यह भर्ती विज्ञापन समानता के अधिकार के खिलाफ है। एयर फोर्स, नेवी और आर्मी में महिलाओं को स्थाई कमीशन दिया जाता है, सिर्फ टीईएस-52 को ही इससे अलग रखा गया है। जबकि संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत लैंगिक आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। इसके अलावा यह भर्ती विज्ञापन अनुच्छेद 19 के तहत आजीविका चुनने के अधिकार का भी हनन कर रहा है।

वहीं इससे गरिमापूर्ण जीवन जीने के अधिकार भी प्रभावित हो रहे हैं। याचिका में गुहार की गई है कि भारतीय सेना को निर्देश दिए जाए कि वह इस भर्ती विज्ञापन को वापस ले और चयन प्रक्रिया को रद्द करे। इसका विरोध करते हुए केन्द्र सरकार की ओर से कहा गया कि याचिका में जो बिंदु उठाए गए हैं, उनकी सुनवाई का अधिकार एकलपीठ को है।

याचिका में किसी कानूनी अनियमिता को चुनौती नहीं दी गई है। ऐसे में मामले को एकलपीठ के समक्ष भेजा जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने प्रकरण को सुनवाई के लिए एकलपीठ के समक्ष भेज दिया है।

पोल खुली तो रातोंरात 'कारपेट घास' बिछाकर हरा-भरा कर दिया बगीचा

हैरिटेज नगर निगम मुख्यालय में बने बगीचे को संवारने का 16 लाख रु. ठेका 9 माह पहले मैसर्स नईनाथ को करीब 18 प्रतिशत अधिक रेट पर दिया गया था, ठेकेदार बिना काम किए ही भुगतान उठाने की तैयारी में था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । हैरिटेज नगर निगम की उद्यान शाखा की पोल खुली तो मुख्यालय भवन का 10 माह से बंजर पड़ा बगीचा मात्र 3 दिन में हरा-भरा कर दिया गया। जबकि पिछले 9 माह से ठेकेदार फर्म मैसर्स नईनाथ ने वर्क ऑर्डर लेने के बावजूद इस बगीचे के काम को लटकाए रखा था, ताकि अपनी रखरखाव लागत (मैंटीनेंस कॉस्ट) बचा सके।

सूत्रों की मानें तो हैरिटेज नगर निगम मुख्यालय में बने एक बगीचे को संवारने का 16 लाख रु. ठेका 9 माह पहले (सितंबर-अक्टूबर 2023 में) मैसर्स नईनाथ को दिया गया था। यह टैंडर करीब 16 से 18 प्रतिशत अधिक दर पर ठेकेदार को दिया गया, जो कि करीब 18.50 लाख रु. से ज्यादा का था। ठेकेदार हंसराज मीणा ने वर्कऑर्डर लेने के बावजूद भी पार्क में घास, पेड़-पौधे लगाने और इसके रखरखाव का काम शुरू नहीं किया। जबकि यह कार्य गत वर्ष ही शुरू हो जाना था।

सूत्रों का कहना है कि ठेकेदार की इस लापरवाही के बावजूद उद्यान निरीक्षक छाजूराम ने ना तो फर्म मैसर्स नईनाथ को कोई नोटिस दिया और ना ही उस पर पेनल्टी लगाने अथवा ब्लैकलिस्टेड करने की कार्रवाई की। अधिकारियों की इस मेहरबानी का नतीजा यह हुआ कि ठेकेदार लगातार लापरवाही बरतता गया, हालात इतने बिगड़ गए कि इस गार्डन की दीवार तक टूट गई। मानसून का मौसम सिर पर था और यहां उजड़ी हुई घास व नंगे पड़े बिजली के तार सरकारी सिस्टम की पोल खोलने लगे। कहने को तो यह पार्क निगम मुख्यालय के कार्मिकों और यहां आने वाले आमजन के सुकून के लिए था, लेकिन इसका दृश्य किसी डरावनी फिल्म की लोकेशन जैसा ही नजर आ रहा था। इस गार्डन में खुले पड़े बिजली के तारों की जिम्मेदारी उद्यान शाखा के अफसर अब विद्युत शाखा पर डाल रहे है।

हैरिटेज निगम मुख्यालय के उजड़े हुए बगीचे में हरियाली दिखाने के लिए सोमवार सुबह 'कारपेट घास' लगाने का काम चलता रहा।

- **वर्क ऑर्डर के बावजूद ठेकेदार हंसराज मीणा द्वारा काम नहीं करने पर उद्यान निरीक्षक छाजूराम ने ना तो उसे कोई नोटिस दिया और ना ही ब्लैकलिस्टेड करने की कार्रवाई की**
- **अब उद्यान शाखा के अफसरों और ठेकेदार की पोल खुली और आयुक्त ने इस प्रकरण की रिपोर्ट मांगी तो ठेकेदार ने शनिवार-रविवार और सोमवार को काम चलाकर बगीचे में 'कारपेट घास' बिछा डाली**
- **निगम प्रशासन ने पार्कों में फाउंटेन संचालन का करीब 1.25 करोड़ रु. का ठेका मैसर्स सुरेश जसवाल व मैसर्स हजारीलाल को दिया था, लेकिन शहर में 80 फीसदी से ज्यादा पार्कों में फाउंटेन बंद पड़े हैं, इसके बावजूद दोनों फर्मों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई**

3 दिन पहले जैसे ही इस पार्क की बदहाली की पोल समाचार पत्रों में खुली तो उद्यान शाखा के अधिकारियों और ठेकेदार फर्म की नींद टूटी। शनिवार-रविवार और सोमवार को तीन दिन धड़ाधड़ काम चलाकर पार्क में आनन-फानन में हरियाली दिखाने के लिए "कारपेट घास" लगा दी गई। बताया जा रहा है कि इस प्रकरण की हैरिटेज नगर निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा ने भी रिपोर्ट मांगी है। अब उद्यान शाखा के अफसरों से इस बारे में जवाब देते नहीं बन रहा कि आखिर पिछले 9 माह से ठेकेदार ने जब पार्क का काम शुरू नहीं किया तो उस पर क्या कार्रवाई की गई?

ज्ञात रहे कि हैरिटेज नगर निगम के पास जयपुर शहर में 250 से ज्यादा उद्यानों को संवारने की जिम्मेदारी है। इसके लिए हर साल बाकायदा करोड़ों रुपये के टैंडर जारी करके उद्यान शाखा पेड़-पौधे, घास लगाने, पार्कों में फाउंटेन संचालन और अन्य सिविल वर्क, ट्री गार्ड व पार्कों में बैंच लगाने के कार्य करवाने का दावा करती है। जमीनी हकीकत यह है कि अधिकांश पार्कों में रखरखाव के अभाव में पेड़-पौधे सूख चुके हैं तो 80 फीसदी उद्यानों में फाउंटेन खराब पड़े हैं, जिनमें फव्वारे तक नहीं चल रहे है। इसके बावजूद लापरवाह फर्मों पर ना तो कार्रवाई की जा रही है और ना ही उन पर कोई पेनल्टी लगाई जा रही है। सूत्रों की मानें तो हैरिटेज निगम ने पार्कों में फाउंटेन संचालन का ठेका करीब 1.25 करोड़ रु. में फर्म मैसर्स सुरेश जसवाल और मैसर्स हजारीलाल को दे रखा है, लेकिन अधिकांश पार्कों में फाउंटेन ही बंद पड़े हैं। यहां फाउंटेन में पानी चलने के बजाय इनमें कचरा भरा पड़ा हुआ है, लेकिन निगम अधिकारियों को यह खामियां नजर नहीं आती। सोमवार को जब जनता कॉलोनी के पार्क का मौका निरीक्षण किया गया तो यहां भी फाउंटेन काफी लम्बे समय से बंद मिला। स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां फाउंटेन बनने के बाद सिर्फ कुछ दिन चला, अब कोई संभालने के लिए नहीं आता। उद्यान उपायुक्त सरोज ढाका के पास राजस्व उपायुक्त का कार्यभार भी है, ऐसे में उद्यान निरीक्षक छाजूराम के पास ही इस पूरी विंग की जिम्मेदारी है, लेकिन ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे कामों की ना तो गुणवत्ता जांची जा रही है और ना ही उन पर कोई कार्रवाई की जा रही। हालांकि छाजूराम का तबादला स्वायत्त शासन विभाग ने गत 19 फरवरी को ही पाली निकाय में कर दिया था, इसके बावजूद हैरिटेज निगम प्रशासन ने उन्हें कार्यमुक्त नहीं किया।

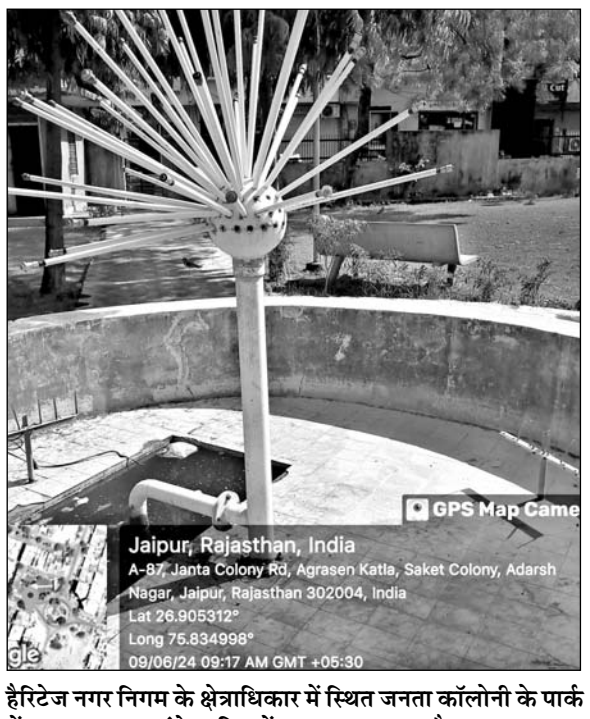

हैरिटेज नगर निगम के क्षेत्राधिकार में स्थित जनता कॉलोनी के पार्क में खराब पड़ा फाउंटेन, जिसमें कचरा जमा पड़ा है।

सार-समाचार

पेंशन और ग्रेच्यूटी के भुगतान की मांग

जयपुर, (का.सं.)। सरकारी विश्वविद्यालयों से जुड़े सेवानिवृत्त वरिष्ठ शिक्षक एवं अशैक्षणिक कर्मी आज राजस्थान विश्वविद्यालय में एकत्रित हुए व विश्वविद्यालयों में पेंशन का दायित्व राज्य सरकार द्वारा लिये जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया व मुख्यमंत्री के नाम से एक ज्ञापन भी दिया। विश्वविद्यालय पेंशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो.एच.एस.शर्मा ने इस अवसर पर राज्यभर से बड़ी संख्या में आए सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं अशैक्षणिक कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार विश्वविद्यालय कर्मियों के लिये वेतन तो दे रही है, लेकिन वेतन के ही प्रमुख भाग पेंशन और ग्रेच्यूटी का भुगतान नहीं कर रही है, पेंशन और ग्रेच्यूटी का भुगतान अभी तक तो विश्वविद्यालयों के संसाधनों से कर रहे थे, लेकिन अब विश्वविद्यालयेां की आर्थिक स्थिति अत्यधिक चिंताजनक हो गयी है, व विश्वविद्यालयों के पास ऐसे आर्थिक संसाधन भी नहीं बचे हैं, जिनसे सेवानिवृत्त शिक्षकों व कर्मचारियों की पेंशन का भुगतान किया जा सके, कई विश्वविद्यालय में तो लंबे समय से पेंशनल का भुगतान नहीं हो रहा है, जिससे विश्वविद्यालय के शिक्षक वे कर्मचारी हर महीने प्रदर्शन और धरना करने को मजबूर हैं। प्रदर्शन से पहले एक बैठक भी अतिथिगृह में आयोजित की गई। बैठक में मोहनलाल विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो.दरियाव सिंह चूड़ावत, कृषि विश्वविद्यालय फैडरेशन के अध्यक्ष प्रो.जी.एन.परिहार, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालयके प्रो.एस.के.शर्मा, विश्वविद्यालय पेंशनर सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो.रामनिवास शर्मा, सचिव डॉ. लोकेन्द्र सिंह शक्तावत, प्रो.सुभाष शर्मा, प्रो.जी.सी.टिक्कीवाल, बीकानेर कृषि विश्वविद्यालयके प्रो.आर.बी.एल.गुप्ता, राजस्थान विश्वविद्यालय पेंशन एसोसिएशन के प्रो.एन.के.लोहिया, प्रो.बी.के.शर्मा, प्रो. सोमदेव, डॉ.धन्नालाल, राजस्थान विश्वविद्यालय अशैक्षणिक कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष एस.सी.मण्डावरा सहित बड़ी संख्यास में शिक्षक और अशैक्षणिक कर्मी उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्रियों से मिले उपमुख्यमंत्री

जयपुर, (का.सं.)। उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने नवनियुक्त मंत्रिमंडल के सदस्यों गजेंद्र सिंह शेखावत (केबिनेट मंत्री), भूपेन्द्र यादव (केबिनेट मंत्री), अर्जुन राम मेघालय(राज्य मंत्री), भगीरथ चौधरी (राज्य मंत्री) से मुलाक़ात की। उपमुख्यमंत्री ने शपथ ग्रहण करने पर मंत्रिमंडल सदस्यों को पुषगुच्छ भेंट कर बधाई और शुभकामनाएं दी। उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मंत्रिमंडल में राजस्थान के चार सांसदों को प्रतिनिधित्व देने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास की राहों पर आगे बढ़ विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूरा करेगा।

हाईटेंशन लाइन के समाधान का प्रयास

जयपुर । मंत्री और झोटवाड़ा से भाजपा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में हाईटेंशन लाइन की समस्या के जल्द से जल्द समाधान हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ निरंतर वार्ता व विकास कार्यों एवं विभिन्न कार्ययोजनाओं के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर रहे हैं। कर्नल राठौड़ ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में झोटवाड़ा परिवार की सुविधाओं को और बेहतर बनाने तथा आधुनिक व्यवस्थाओं के साथ सुसज्जित करने हेतु हम सदैव संकल्पित हैं।